राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र

(ए -50, सेक्टर-62, नोएडा, उत्तर प्रदेश)

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार

वार्षिक हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी-2023

17 फरवरी 2023

"मौसम-पूर्वानुमान और कृषि मौसम विज्ञान सेवाएँ: अवसर एवं चुनौतियाँ"

स्थान : अम्बर सभागार, समय: प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक

“मौसम-पूर्वानुमान और कृषि मौसम विज्ञान सेवाएँ: अवसर एवं चुनौतियाँ”

स्थान : अम्बर सभागार, समय: प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक

राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (रा.म.अ.मौ.पू.कें.) का उद्देश्य भारत मौसम विभाग के लिए निरंतर नए और तकनीकी रूप से कुशल गणितीय मॉडल तथा अनुप्रयोगों की क्रमागत उन्नति और उद्विकास करना रहा है। भारत मौसम विभाग (आई.एम.डी.) के पुणे कार्यालय में वर्ष 1932 से ही कृषि मौसम विज्ञान विभाग की शुरुआत हो चुकी थी। वर्ष 1976 में आई.एम.डी. के राज्य मौसम केन्द्रों पर कृषि सलाहकार सेवा शुरू की गई। वर्ष 1991 में डॉ. एल. एस. राठौर के नेतृत्व में एन.डबल्यू.पी. मॉडल पर आधारित कृषि सलाहकार सेवा के अनुसंधान और विकास का कार्य रा.म.अ.मौ.पू.कें. में शुरू हुआ था। उस समय 250 किलोमीटर के मॉडल ग्रिड पर 3 दिन के मौसम पूर्वानुमान का इस्तेमाल करते हुये इस सेवा की शुरुआत की गयी थी। वर्ष 1993 तक 150 किलोमीटर, तथा 1999 में 75 किलोमीटर मॉडल रेसोल्यूशन के पूर्वानुमान का इस्तेमाल होने लगा था। मॉडल की गुणवत्ता और स्किल में सुधार होने से वर्ष 2006 से 5 दिन के मौसम पूर्वानुमान का इस्तेमाल कृषि सलाहकार सेवाओं के लिए होने लगा।

समय के साथ-साथ इस सेवा में काफी सुधार होता गया और आज भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत भारत मौसम विभाग 12 किलोमीटर के मॉडल से मिलने वाले अगले 10 दिन के मौसम पूर्वानुमान का उपयोग करते हुये विभिन्न सेवाओं के लिए इनका उपयोग करते हैं। एक अनुमान के मुताबिक देश के किसानों की आय में 10-25% तक का योगदान सटीक मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाहकार सेवाओं द्वारा होता है। इसी श्रृंखला में आगे बढ़ते हुये इन सेवाओं को भविष्य में गाँव-गाँव तक विस्तारित करने की कोशिशें जारी हैं।

इस वर्ष हमारी हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी का विषय हमने “मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम विज्ञान सेवाएँ: अवसर एवं चुनौतियाँ “ चुना है। भारत सरकार का यह निरंतर प्रयास रहा है की किसानों की उन्नति के बगैर देश की प्रगति असंभव है। जैसा की उल्लेख किया जा चुका है, भारत मौसम विभाग की यह महत्वपूर्ण तथा भाविष्योंमुखी परियोजना हमारे संस्थान में डॉ. एल. एस. राठौर के मार्गदर्शन में शुरू हुयी थी, आर ये हमारे लिए सौभाग्य की बात है की इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राठौर ने अपनी सहर्ष सहमति दी हैं। हर्ष का विषय ये भी है की समीप के कुछ किसानों ने भी इस संगोष्ठी में भाग लेने की इच्छा जाहिर की है, हम आशा करते हैं की इस हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी के माध्यम से हम कुछ किसान बंधुओं से संवाद स्थापित करते हुये भविष्य की जरूरतों और आवश्यकताओं को समझते हुये एन.डबल्यू.पी. उत्पादों के परिष्करण और नए-नए अनुप्रयोगों के विकास के बारे में कुछ ठोस निर्णय ले सकेंगे।हम आशा करते हैं की हमारा केंद्र भविष्य में भारत मौसम विभाग की ग्रामीण कृषि सेवा तथा कृषि सलाहकार सेवा के साथ जुड़कर देश के किसानों के लिए एनडबल्यूपी उत्पादों के बेहतर अनुप्रयोगों को विकसित करने में सफल होगा।

“मौसम-पूर्वानुमान और कृषि मौसम विज्ञान सेवाएँ: अवसर एवं चुनौतियाँ”

दिनाँक 17 फरवरी 2023

स्थान : अम्बर सभागार, समय: प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक

आमंत्रित वक्तागण तथा अतिथि

डॉ. स्वाती बसु
विशिष्ट अतिथि

डॉ. गोपाल अयंगर
विशिष्ट अतिथि

डॉ. अखिलेश गुप्ता
विशिष्ट अतिथि

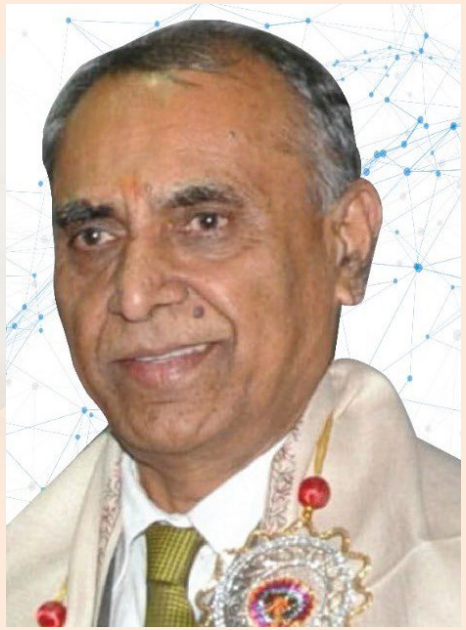

डॉ. लक्ष्मण सिंह
राठौर, मुख्य अतिथि

डॉ. अजीत त्यागी,
विशिष्ट अतिथि

डॉ. आनंद शर्मा
विशिष्ट अतिथि

डॉ. आशीष मित्रा
विशिष्ट अतिथि

डॉ. कमलजीत रे
विशिष्ट अतिथि

डॉ. रंजीत सिंह
विशिष्ट अतिथि

ग्रुप कैप्टन एस. एन. मिश्रा
विशिष्ट अतिथि

डॉ. के के सिंह
विशिष्ट अतिथि

डॉ. एस सी भान
विशिष्ट अतिथि

डॉ. जगवीर सिंह
विशिष्ट अतिथि